

विषय-संगीत (गायन)

कक्षा-10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा।

पूर्णांक 100

भाग (क)

अंक - 35

(शास्त्रीय शब्दावली की परिभाषा एवं व्याख्या)

नाद, नादोत्पत्ति, नाद के प्रकार एवं विशेषतायें। शब्द और वर्णों का गायन, स्वरों का स्पष्ट उच्चारण, तीनों सप्तकों का अध्ययन (मध्य, मन्द्र एवं तार) आवाज के गुणों का उत्कर्ष और उसकी सुरक्षा के लिये स्वास्थ्य और भोजन सम्बन्धी नियम, भातखण्डे एवं विष्णु दिगम्बर स्वर एवं स्वर लिपि पद्धति का तुलनात्मक अध्ययन, थाटों का वर्गीकरण और थाट से रागों की उत्पत्ति, मुर्की, कण, वर्जित, वक्र, मीड, सम, खाली एवं भरी।

भाग (ख)

(संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन)

अंक - 35

ध्रुपद, टप्पा, ठुमरी, तराना, बड़ा ख्याल तथा छोटे ख्याल की परिभाषा। पाठ्यक्रम के बोलों के तालों एवं दुगुन का ज्ञान एवं तालों को लिपिबद्ध करने की योग्यता, संगीत सम्बन्धी सामान्य विषयों पर छोटा निबन्ध लिखना, तानसेन एवं विष्णु दिगम्बर की जीवनी।

विभाग एवं भैरवी रागों का विस्तृत अध्ययन। प्रत्येक में एक-एक गीत छात्रों को तैयार करना है।

देश, बागेश्वरी एवं काफ़ी रागों की साधारण जानकारी होनी चाहिये।

प्रत्येक राग में एक गीत (सरगम या लक्षण गीत) होना आवश्यक है।

प्रत्येक राग का आरोह-अवरोह एवं पकड़ गाना विद्यार्थी को अवश्य आना चाहिये तथा उसको लिखने की क्षमता होनी चाहिये।

उपर्युक्त गीतों के साथ दादरा, तीनताल, झपताल, एकताल, चारताल, नामक तालें प्रयुक्त होनी चाहिये।

नोट :-उपर्युक्त निर्धारित रागों एवं तालों पर आधारित प्रयोगात्मक परीक्षा ली जायेगी जो 10 अंकों की होगी तथा 10 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिए निर्धारित है। जिसका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

संगीत (गायन) प्रोजेक्ट कार्य

नोट :-निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते हैं।

1-महान संगीतज्ञों के चित्र एकत्रित करके स्कैप बुक में चिपकाना तथा उनके नाम एवं जन्म-मृत्यु का उल्लेख करना।

2-वर्तमान समय के परिप्रेक्ष्य में संगीत में प्रयोग किये जाने वाले वाद्य यन्त्रों के चित्रों को एकत्र करके उनके नामों का उल्लेख करते हुए स्कैप बुक में लगाना।

3-श्री विष्णु नारायण भातखण्डे की सांगीतिक रचनाओं की एक सूची तैयार कीजिये।

4-स्वरों के शुद्ध एवं विकृत प्रकारों को चार्ट पेपर पर अंकित कीजिये।

5-तबले का चित्र बना कर उसके विभिन्न अंगों के नाम लिखिये।

7-किन्हीं चार प्राचीन संगीत वाद्य-यन्त्रों के नामों का उल्लेख करते हुए उनसे सम्बन्धित शीर्ष संगीतकारों के नाम लिखिये।

8-श्री भातखण्डे तथा विष्णु दिगम्बर स्वर लिपि एवं ताल लिपि पद्धति की तुलना चार्ट बनाकर कीजिये।

9-सितार अथवा तानपुरे का प्रारूप तैयार कर उनके अंगों का नामकरण भी कीजिये। इच्छानुसार वेलवेट पेपर या थर्माकोल का प्रयोग किया जा सकता है।

10-चार भारतीय नृत्य शैलियों के चित्र, नाम तथा उनसे सम्बन्धित शीर्ष कलाकारों के नाम स्कैप बुक में अंकित कीजिये।

शैक्षिक सत्र 2022-23 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन निम्नवत् कराये जाने की संस्तुति की जाती है:-

1-प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा- (प्रयोगात्मक तथा प्रोजेक्ट कार्य) अगस्त माह 10 अंक (5+5)

2-द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा-(प्रयोगात्मक तथा प्रोजेक्ट कार्य) दिसम्बर माह 10 अंक (5+5)

3-चार मासिक परीक्षाएं 10 अंक

- प्रथम मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर)

जुलाई माह

- द्वितीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) अगस्त माह
 - तृतीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर) नवम्बर माह
 - चतुर्थ मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) दिसम्बर माह
- चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम —

भाग (ख)

(संगीत का इतिहास एवं रागों का अध्ययन)

अंक - 35

पाठ्यक्रम के रागों की विशेषता, स्वर-विस्तार एवं अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त और उसमें भेद। स्वर-समूहों के छोटे-छोटे टुकड़ों के आधार पर राग को पहचानने एवं उनकी बढ़त की योग्यता।

उपर्युक्त रागों में कम से कम एक ध्रुपद और ख्याल होना चाहिये। उनमें आलाप-तान लिखने एवं गाने की योग्यता होनी चाहिये।

प्रोजेक्ट कार्य

6-राग की मुख्य जातियों एवं उपजातियों को तालिका के द्वारा स्पष्ट कीजिये।

विषय—संगीत(वादन)

कक्षा—10

इसमें 70 अंकों की लिखित परीक्षा तथा 30 अंकों का विद्यालय स्तर पर प्रोजेक्ट कार्य होगा।

पूर्णांक 100

खण्ड (क)

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या--

30

सप्तक (मन्द्र, मध्य एवं तार) का विस्तृत अध्ययन, मुर्की, विवादी, वर्ण, घसीट, झाला, पेशकारा, टुकड़ा, तिहाई, भातखण्डे एवं विष्णु दिगम्बर संगीत पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन थाटों का वर्गीकरण और उनसे रागों की उत्पत्ति।

खण्ड (ख)

40

1-स्वर विस्तार और अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त।

3-स्वर समूह के छोटे-छोटे टुकड़ों के आधार पर रागों को पहचानने और बढ़त करने की योग्यता।

4-संगीत सम्बन्धी सामान्य विषयों पर छोटा निबन्ध, तानसेन एवं विष्णु दिगम्बर की जीवनी।

तबला एवं पखावज--

1-तीनताल, चारताल में से प्रत्येक में एक पेशकारा, 2 कायदा, 2 टुकड़े और दो तिहाई लिखने एवं बजाने की योग्यता।

चार ताल में दो टुकड़े एवं एक परन लिखने और बजाने की योग्यता।

2-कहरवा, तीव्रा

अन्य वाद्य

1-राग विभाग में प्रत्येक में एक मसीतखानी गत तथा एक रजाखानी गत आवश्यक है।

2-देश, काफी रागों में कलात्मक विकास के बिना एक गत। इन रागों में आरोह-अवरोह एवं पकड़ लिखने की योग्यता।

3-कहरवा, तीनताल और एकताल से भी परिचित होना चाहिए।

4-अपने वाद्य में बजाने वाले वर्ण एवं बोलों को निकालने की विधि।

नोट :- उपर्युक्त निर्धारित रागों एवं तालों की आन्तरिक प्रयोगात्मक परीक्षा होगी जिसके लिए 10 अंक निर्धारित किये गये हैं तथा 10 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिए हैं। इनका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जायेगा।

प्रोजेक्ट वर्क

PROJECT WORK

नोट :- निम्नलिखित में से कोई तीन प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार करायें। अध्यापक विषय से सम्बन्धित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते हैं।

1-हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के प्रसिद्ध संगीतज्ञों के चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में लगाइए तथा संक्षिप्त परिचय दीजिए।

2-अपने वाद्य की उत्पत्ति व विकास को सचित्र वर्णित कीजिए।

3-स्व वाद्य के वर्णों की निकास विधि को समझाइए।

4-रेडियो एवं टी0वी0 द्वारा प्रसारित होने वाले कुछ संगीत कार्यक्रमों को सुनकर उनकी सूची बनाइए व उनके बारे में संक्षेप में लिखिए।

5-उत्तर भारतीय शास्त्रीय संगीत के “भारतरत्न” पुरस्कार प्राप्त किसी एक संगीतज्ञ का चार्ट बनाइए।

6-वाद्य के समस्त प्रकारों (तत्, सुषिर, अवनद्ध, घन) के कुछ चित्र एकत्रित कर अपनी अभ्यास पुस्तिका में चिपकाइए तथा उन्हें बजाने वाले सम्बन्धित कलाकार का नाम भी लिखिए।

7-रागों के समय निर्धारण को एक चार्ट द्वारा प्रदर्शित कीजिए।

8-हिन्दुस्तानी संगीत के 10 थाटों के नाम एवं उनके स्वरों को चार्ट द्वारा प्रदर्शित कीजिए तथा उनसे उत्पन्न कुछ रागों के नाम लिखिए।

9-संगीत शिक्षा प्रदान करने वाली प्रमुख संस्थाओं के नाम लिखकर संक्षिप्त परिचय दीजिए।

10-सितार अथवा तबला की मुख्य परम्परा/घराना विषय को चार्ट में प्रदर्शित कीजिए।

11-किसी संगीत समारोह का आँखों देखा वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

12-किसी प्रसिद्ध संगीतज्ञ के सांगीतिक योगदान को विस्तारतः समझाइए।

शैक्षिक सत्र 2022-23 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन निम्नवत् कराये जाने की संस्तुति की जाती है:-

1-प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा- (प्रयोगात्मक तथा प्रोजेक्ट कार्य)

अगस्त माह

10 अंक (5+5)

2—द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन परीक्षा—(प्रयोगात्मक तथा प्रोजेक्ट कार्य)

दिसम्बर माह

10 अंक (5+5)

3—चार मासिक परीक्षाएं

10 अंक

- प्रथम मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर) जुलाई माह
- द्वितीय मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) अगस्त माह
- तृतीय मासिक परीक्षा (वर्णनात्मक परीक्षा के आधार पर) नवम्बर माह
- चतुर्थ मासिक परीक्षा (बहुविकल्पीय प्रश्नों (MCQ) के आधार पर) दिसम्बर माह

चारों मासिक परीक्षाओं के प्राप्तांकों के योग को 10 अंकों में परिवर्तित किया जाय।

30 प्रतिशत कम किया गया पाठ्यक्रम —

खण्ड (क)

शास्त्रीय शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या-- कण, वक्रस्वर, मीड जोड़, परन, रेला, सम,

खण्ड (ख)

1-वादन पाठ्यक्रम में रागों की विशेषतायें

2-तालों के टुकड़े, परन आदि लिखने की योग्यता एवं सरल स्वर विस्तार एवं तोड़ों के साथ गत को स्वर लिपिबद्ध करके लिखना।

तबला एवं पखावज-- 1-एकताल

2- दीपचन्दी तालों का साधारण ठेका।

अन्य वाद्य

1- भैरवी में प्रत्येक में एक मसीतखानी गत तथा एक रजाखानी गत आवश्यक है।

2- बागेश्री

3- चारताल से भी परिचित होना चाहिए।

5-प्रचलित वाद्य और उनकी विशेषताओं का ज्ञान।